**भारत सरकार**
**पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय**
**राज्य सभा**
**अतारांकित प्रश्न सं. 1782**
**16/03/2023 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**संकट प्रतिरोधी मापदंड बनाने हेतु भूकंपीय माइक्रोजोनेशन अध्ययन**

1782 . श्री जग्गेश:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि देश में प्राकृतिक आपदाओं के मानवीय परिणामों में तेजी से वृद्धि हो रही है और इसके लिए उचित प्रशमन कार्यनीति तैयार करने की आवश्यकता है;

(ख) क्या क्षेत्र के लिए भूकंपीय माइक्रोजोनेशन अध्ययन सुरक्षित आवासों और अवसंरचना के लिए संकट प्रतिरोधी मापदंड तैयार करेगा;

(ग) क्या सरकार का वास्तविक समय आधारित डेटा निगरानी और डेटा संग्रहण में सुधार करने के लिए देश भर में और अधिक भूकंप विज्ञान केंद्र खोलने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**
**(डॉ. जितेंद्र सिंह)**

(क) प्राकृतिक आपदाएं, प्राकृतिक प्रक्रियाओं के कारण होती हैं, और ऐसा नहीं है कि हमेशा ये मानवीय क्रियाकलापों के परिणामस्वरूप घटित हों। तथापि, किसी भी क्षेत्र की सुभेद्य शीलता हमेशा नॉन-इंजीनियर्ड संरचनाओं से प्रभावित होती है। इसलिए, संबद्ध जोखिमों को कम करने के लिए वैज्ञानिक एवं अभियांत्रिक समाधान अपनाकर उचित शमन रणनीतियां तैयार किए जाने की जरूरत है।

(ख) भूकंपीय माइक्रोजोनेशन अध्ययन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे भूकंप संकट प्रतिरोधी भवनों/इंफ्रास्ट्रक्चर/आवासीय-ढांचों के निर्माण के लिए जानकारी सृजित करने में सहायता मिलती है, जिससे भूकंप के झटकों के प्रभावों को कम किया और घटाया जा सके, तथा सुरक्षित नगरीय योजना के साथ ढांचों एवं जान-माल के नुकसान को कम किया जा सके।

(ग) एवं (घ) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का संबद्ध कार्यालय तथा देश में भूकंप निगरानी के लिए भारत सरकार की नोडल एजेंसी राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NCS) वर्तमान में 152 वेधशालाओं वाले राष्ट्रीय भूकंप-विज्ञान नेटवर्क का रखरखाव करता है, यह नेटवर्क देशभर में फैला हुआ है, इसकी सहायता से देशभर में एवं आस-पास भूकंपीय क्रियाकलापों की निगरानी की जाती है, इसके पास देश के अधिकांश भागों में 3.0 तीव्रता वाले भूकंप का पता लगाने की क्षमता है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र देश में भूकंपीय निगरानी क्षमताओं को और बेहतर बनाने के लिए अगले 2 से 3 वर्षों में 100 और नई प्रेक्षणशालाएं स्थापित करने की योजना बना रहा है।

*****